



THE STUDY HISTORY

An Institute for IAS

General Studies

By Manikant Singh

काँइन वेंडिंग मशीन

चर्चा में क्यों ?

- RBI गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा मौद्रिक नीति समिति (MPC) के संबोधन के दौरान क्यूआर-कोड आधारित काँइन वेंडिंग मशीन के कामकाज का आकलन करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च करने की घोषणा की।

काँइन वेंडिंग मशीन के बारे में

- वेंडिंग मशीनें, बैंकनोटों की भौतिक निविदा के बजाय यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) का उपयोग करके ग्राहक के खाते से डेबिट की जाने वाली अपेक्षित राशि के साथ सिक्के प्रदान करेंगी।
- सरल शब्दों में, RBI ने ऐलान किया है कि अब जल्द ही ऐसे एटीएम (Coin ATM machine) लगाए जाएंगे जो करेंसी नोट ही नहीं, बल्कि सिक्के भी बाहर निकालेंगे। सर्वप्रथम क्यूआर आधारित वेंडिंग मशीन (QR Based Coin Vending Machines) को पायलट प्रोजेक्ट की तरह लॉन्च किया जाएगा।
- ग्राहकों को आवश्यक मात्रा और मूल्यवर्ग में सिक्कों को वापस लेने का विकल्प दिया जाएगा। इसके माध्यम से केंद्रीय बैंक द्वारा सिक्कों की पहुंच को आसान बनाना है।
- शुरुआत में पायलट प्रोजेक्ट को देश भर के 12 शहरों में 19 स्थानों पर शुरू करने की योजना है। आसानी और पहुंच के साथ, मशीनों को रेलवे स्टेशनों, शॉपिंग मॉल और बाज़ार जैसे सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित किया जायेगा।

क्या सिक्के हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण हैं?

- हालिया आंकड़ों के अनुसार सिक्कों की कुल सर्कुलेशन वैल्यू 28,857 करोड़ रुपये थी।
- 50 पैसे तक के सिक्कों को 'छोटे सिक्के' कहा जाता है, जबकि एक रुपये और उससे अधिक के सिक्कों को 'रुपये के सिक्के' कहा जाता है।
- यह आंकड़ा एक साल पहले की अवधि से 7.2% की वृद्धि है। छोटे सिक्कों का प्रचलन 743 करोड़ रु. पर अपरिवर्तित रहा है।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

- भारत में सिक्के 50 पैसे, एक रुपये, दो रुपये, पांच रुपये, दस रुपये और बीस रुपये के मूल्यवर्ग में जारी किए जाते हैं।
- सिक्का वितरण के लिए प्रस्तावित तंत्र उन पारंपरिक मशीनों से हटकर होगा जो सिक्कों के आदान-प्रदान की सुविधा के लिए बैंक नोटों पर निर्भर थीं।
- इसके अलावा, प्रस्तावित मशीन बैंकनोटों की भौतिक निविदा और उनके प्रमाणीकरण की आवश्यकता को समाप्त कर देगी।
- सिक्कों के वितरण के लिए UPI पर निर्भरता विशेष रूप से उल्लेखनीय है , सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) के लिए शीर्ष नियामक भी एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विचाराधीन है।

डिजिटल बनाम नकदी

- सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी (CIS) के अनुसार इस प्रस्ताव को "डिजिटल बनाम नकदी के शून्य-राशि के खेल" के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं।
- स्रोत – द हिन्दू

"विंडसर फ्रेमवर्क"

THE STUDY

चर्चा में क्यों ?

- ब्रिटेन और EU ने ब्रेक्जिट के बाद से चली आ रही 'नॉर्दर्न आयरलैंड प्रोटोकॉल' से जुड़ी शिकायतों को दूर करते हुए एक नया समझौता तैयार किया है, जिसे नया "विंडसर फ्रेमवर्क" का नाम दिया गया है।

"विंडसर फ्रेमवर्क" क्या है?

- उत्तरी आयरलैंड और यूरोपीय संघ के अन्य सदस्य देशों के बीच बॉर्डर कंट्रोल की जरूरत खत्म करना है।
- इसके तहत उत्तरी आयरलैंड की वस्तुएं आसानी से दूसरे देशों में भेजी जाती हैं, परंतु जिन वस्तुओं को ब्रिटेन के दूसरे हिस्सों से पहले उत्तरी आयरलैंड लाया जाता है और फिर वहाँ से EU में भेजा जाता है, उनकी सीमा पर जाँच करना जरूरी हो जाता है।
- नवीन समझौता ब्रिटेन के बाकी हिस्सों से उत्तरी आयरलैंड में स्वतंत्र रूप से वस्तुओं के प्रवाह की अनुमति देगा।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

- इसके माध्यम से उत्तरी आयरलैंड और यूके के बाकी हिस्सों के बीच व्यापार में आने वाले व्यवधानों को दूर करने का प्रयास किया गया है, जिसे ब्रेक्सिट के 'नॉर्दर्न आयरलैंड प्रोटोकॉल' के हिस्से के रूप में स्वीकार किया गया था।

नवीन "विंडसर फ्रेमवर्क" में तीन बड़े कदम उठाये जाएंगे-

- "ब्रिटेन के भीतर कारोबार को आसान बनाने" के लिए वस्तुओं को ग्रीन और रेड लेन में बांट कर रखा जाएगा।
- ग्रीन लेन में वे वस्तुएं शामिल होंगी जिन्हें उत्तरी आयरलैंड में भेजा जाना है और रेड लेन में वे वस्तुएं होंगी जिनके EU तक पहुंचने में बाधा है।
- ग्रीन लेन को भारी-भरकम नौकरशाही का सामना नहीं करना पड़ेगा और जल्द ही इस समझौते पर मतदान के लिए इसे ब्रिटिश संसद के सामने पेश किया जायेगा।
- EU के लिए आयरलैंड के साथ अपने 'गुड फ्राइडे समझौते' को सुरक्षित रखना और उसके साथ कोई कड़ी सीमा न बनाना बहुत अहम है।
- सीमा से खिलवाड़ करना बहुत खतरनाक माना जाता है जिसकारण निर्णय लिया गया कि ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स) और उत्तरी आयरलैंड (जो ग्रेट ब्रिटेन के साथ मिलकर यूनाइटेड किंगडम बनाता है) के बीच आपसी जांच की जाएगी, इसे 'उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल' कहा जाता था।

उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल समस्या

- ब्रिटेन के यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद, उत्तरी आयरलैंड इसका एकमात्र घटक बना रहा जिसने यूरोपीय संघ के सदस्य, आयरलैंड गणराज्य के साथ एक भूमि सीमा साझा की। चूंकि ईयू और यूके के अलग-अलग उत्पाद मानक हैं, इसलिए उत्तरी आयरलैंड से आयरलैंड में सामान ले जाने से पहले सीमा की जांच आवश्यक मानी गयी।

'नॉर्दर्न आयरलैंड प्रोटोकॉल'

- यह प्रोटोकॉल ब्रेक्सिट के समय से है। इसके अंतर्गत ब्रिटेन और आयरिश सी (Sea) में स्थित उत्तरी आयरलैंड के बीच ट्रेड बॉर्डर बनाया गया था।
- परंतु ब्रेक्सिट के बाद भी उत्तरी आयरलैंड, EU के कस्टम-मुक्त व्यापार क्षेत्र का हिस्सा बना रहा।

गुड फ्राइडे समझौता या बेलफास्ट समझौता

यह 10 अप्रैल, 1998 को हस्ताक्षरित दो समझौतों का समूह है जिसने 1960 के दशक से जारी उत्तरी आयरलैंड संघर्ष की अधिकांश हिंसक झड़पों को समाप्त कर दिया था।

यह 1990 के दशक के उत्तरी आयरलैंड शांति प्रक्रिया में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित हुआ था।

उत्तरी आयरलैंड की सरकार की वर्तमान अवक्रमित प्रणाली इसी समझौते पर आधारित है। इस समझौते ने उत्तरी आयरलैंड और आयरलैंड गणराज्य के बीच एवं आयरलैंड गणराज्य एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच कई शान्ति संस्थान स्थापित किये।

इस समझौते के लिए केंद्रीय मुद्दे :संप्रभुता, नागरिक और सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित मुद्दे, साथ ही हथियारों का विघटन, विमुद्रीकरण, न्याय और पुलिस प्रशासन आदि हैं।



- इसका उद्देश्य उत्तरी आयरलैंड और यूरोपीय संघ के अन्य सदस्य देशों के बीच बॉर्डर कंट्रोल की जरूरत खत्म करना था।
- इस कारण उत्तरी आयरलैंड की वस्तुएं तो आराम से निकल जातीं, लेकिन जिन वस्तुओं को ब्रिटेन के दूसरे हिस्सों से पहले उत्तरी आयरलैंड लाया जाता है और फिर वहाँ से EU में भेजा जाता है, उनकी सीमा पर जाँच करना जरूरी हो जाता था।
- यह व्यवस्था संघ में उत्तरी आयरलैंड के स्थान की रक्षा करेगी और इसके लोगों की संप्रभुता को बहाल करेगी।

चिंता का विषय

- एक प्रमुख चिंता 'स्टॉमॉन्ट ब्रेक' है। यह एक आपातकालीन उपाय है जो उत्तरी आयरलैंड की विकसित सरकार को किसी भी नए यूरोपीय संघ के कानूनों को प्रांत पर लागू होने से रोकने की अनुमति देता है।
स्रोत – द हिन्दू

क्रिप्टो पर IMF की कार्य योजना

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने क्रिप्टो संपत्ति के समाधान हेतु देशों के लिए नौ सूत्री कार्य योजना तैयार की है।

क्रिप्टो संपत्ति के लिए प्रभावी नीतियों के तत्व:

- IMF के कार्यकारी बोर्ड ने "क्रिप्टो एसेट्स के लिए प्रभावी नीतियों के तत्व" नामक एक पेपर पर चर्चा की थी, जो "क्रिप्टो संपत्तियों के लिए उचित नीति प्रतिक्रिया के प्रमुख तत्वों पर IMF सदस्य देशों को मार्गदर्शन प्रदान करता है।"
- यह पेपर सदस्यों को व्यापक, सुसंगत और समन्वित नीति प्रतिक्रिया विकसित करने में मदद करने के लिए नौ तत्वों की एक रूपरेखा तैयार करता है।

नौ सूत्री कार्य योजना

- मौद्रिक नीति ढांचे को मजबूत करके मौद्रिक संप्रभुता और स्थिरता की रक्षा करें और क्रिप्टो संपत्ति को आधिकारिक मुद्रा या कानूनी निविदा स्थिति प्रदान न करें।
- अत्यधिक पूंजी प्रवाह की अस्थिरता से रक्षा करें और पूंजी प्रवाह प्रबंधन उपायों की प्रभावशीलता को बनाए रखें।
- राजकोषीय जोखिमों का विश्लेषण और खुलासा करें एवं क्रिप्टो संपत्ति पर कर उपचार को अपनाएं।
- क्रिप्टो संपत्तियों की कानूनी निश्चितता स्थापित करें और कानूनी जोखिमों का समाधान करें।
- सभी क्रिप्टो बाजार अभिनेताओं के लिए विवेकपूर्ण, आचरण और निरीक्षण आवश्यकताओं को विकसित एवं लागू करें।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

- विभिन्न घरेलू एजेंसियों और प्राधिकरणों में एक संयुक्त निगरानी ढांचा स्थापित करें।
- क्रिप्टो संपत्ति विनियमों के पर्यवेक्षण और प्रवर्तन को बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी व्यवस्था स्थापित करें।
- अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली की स्थिरता पर क्रिप्टो संपत्ति के प्रभाव की निगरानी करें।
- सीमा पार भुगतान और वित्त के लिए डिजिटल अवसंरचना तथा वैकल्पिक समाधान विकसित करने के लिए वैश्विक सहयोग को मजबूत करना।

महत्व

- पिछले कुछ वर्षों में कई क्रिप्टो एक्सचेंजों और परिसंपत्तियों के पतन के बाद, आईएमएफ ने कहा कि इस तरह के प्रयास अधिकारियों के लिए प्राथमिकता बन गए हैं।
- IMF, सदस्य देशों द्वारा क्रिप्टो संपत्तियों के लाभों और जोखिमों तथा उचित नीति प्रतिक्रियाओं की संरचना के बारे में उठाए गए प्रश्नों को संबोधित करता है।
- यह बाली फिनटेक एजेंडा में उल्लिखित सिद्धांतों को संचालित करता है और इसमें मैक्रोफाइनेंशियल विचार जैसे मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों के निहितार्थ शामिल हैं।

क्रिप्टोकॉरेसी के बारे

- यह एक डिजिटल मुद्रा है जिसका उपयोग पारंपरिक मुद्रा के स्थान पर किया जा सकता है।
- क्रिप्टोकॉरेसी में, क्रिप्टोग्राफी का उपयोग लेन-देन को सुरक्षित और सत्यापित करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग क्रिप्टोकॉरेसी की आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए भी किया जाता है।
- यह ब्लॉकचेन नामक विकेंद्रीकृत पीयर-टू-पीयर नेटवर्क द्वारा समर्थित है।
- पहली क्रिप्टोकॉरेसी के तहत बिटकॉइन, 2009 में सातोशी नाकामोतो द्वारा लॉन्च किया गया था।

क्रिप्टोकॉरेसी की विशेषताएं:

- कुछ सिक्कों का उपयोग मूल्य (डॉलर जैसी मुद्रा में मापा जाता है) को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है जो क्रेडिट या पारंपरिक साधनों का उपयोग करने से सस्ता और तेज़ होता है।
- क्रिप्टोकॉरेसी भौतिक रूप में मौजूद नहीं है और आमतौर पर एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा जारी नहीं किया जाता है।
- हालाँकि, यह हो सकता है और कई सरकारें अपनी संबंधित फ़िएट करेंसी का एक क्रिप्टो सिक्का संस्करण बनाने के लिए काम कर रही हैं।

चुनौतियां



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

- क्रिप्टो संपत्तियों से अपेक्षित संभावित लाभ के स्थान पर जोखिम सामने आए हैं।
- क्रिप्टो संपत्तियों को व्यापक रूप से अपनाने से मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता कम हो सकती है, पूंजी प्रवाह प्रबंधन उपायों को दरकिनार किया जा सकता है और राजकोषीय जोखिम भी बढ़ सकते हैं।
- लंबे समय तक व्यापक रूप से अपनाने से अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।
- यह हाइड्रोजनिंग, रूटिंग अटैक, डिस्ट्रीब्यूटेड डेनियल ऑफ सर्विस (DDoS) हमलों जैसे मुद्दों से ग्रस्त हैं।
- अवैध व्यापार, आपराधिक गतिविधियों और संगठित अपराधों के लिए उपयोग किया जाता है।
- पारंपरिक बैंकिंग प्रणालियों के बाहर है।

पृथ्वी के कोर के भीतर

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक नए शोध के निष्कर्ष के अनुसार पृथ्वी का आंतरिक कोर ग्रह के शेष केंद्र से पूरी तरह से अलग है।

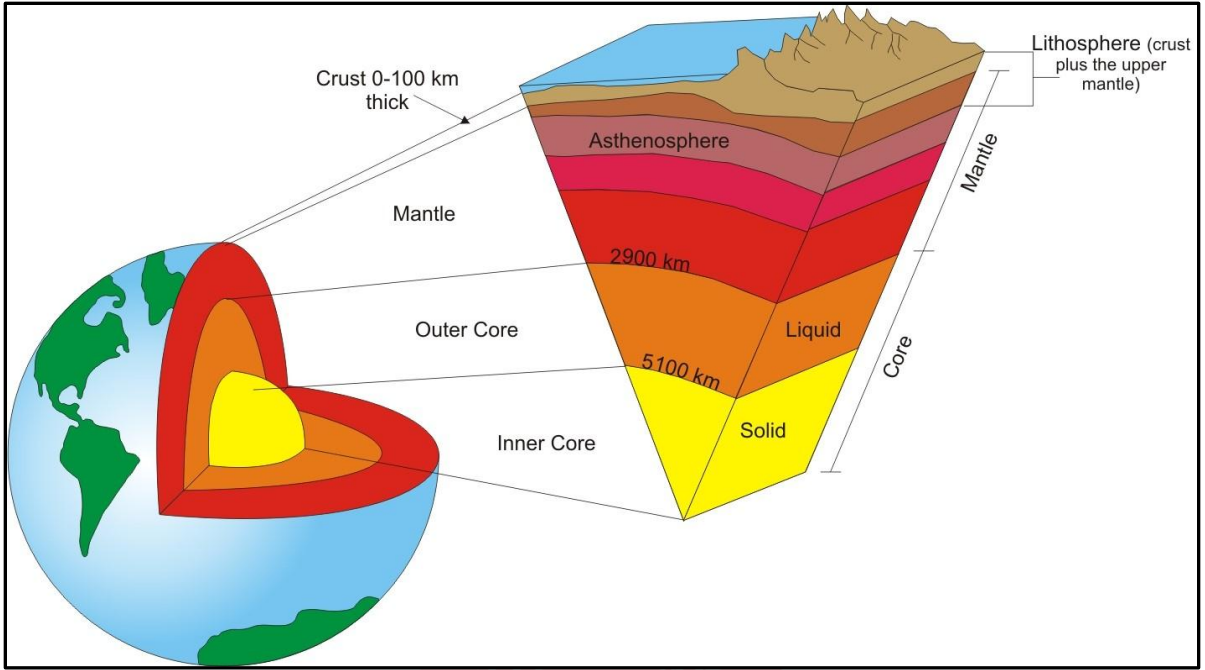
निष्कर्ष के प्रमुख बिंदु

- ग्रहों की उत्पत्ति और विकास को समझने के लिए वैज्ञानिक बहुत लंबे समय से पृथ्वी के केंद्र की जाँच कर रहे हैं।
- कुछ समय पहले तक, यह माना जाता था कि क्रस्ट, मेंटल, बाहरी कोर और आंतरिक कोर से पृथ्वी की संरचना बनाई गयी है, परंतु एक अन्य परत पाई गयी है –
- 4 परतों में शामिल हैं –
- **क्रस्ट** - यह पृथ्वी का सबसे बाहरी ठोस भाग है। यह भंगुर प्रकृति का होता है। क्रस्ट की मोटाई समुद्री और महाद्वीपीय क्षेत्रों के अंतर्गत भिन्न होती है। महाद्वीपीय क्रस्ट की तुलना में महासागरीय क्रस्ट पतला है। प्रमुख पर्वत प्रणालियों के क्षेत्रों में महाद्वीपीय क्रस्ट अधिक मोटा है।
- **मेंटल (एस्थेनोस्फीयर)**- मेंटल के ऊपरी भाग को एस्थेनोस्फीयर कहा जाता है। 'अस्थेनो' शब्द का अर्थ कमजोर होता है। यह मैग्मा का मुख्य स्रोत है जो ज्वालामुखी विस्फोट के दौरान सतह पर आ जाता है। निचला मेंटल एस्थेनोस्फीयर से परे फैला हुआ है।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669



- क्रस्ट और मेंटल के सबसे ऊपरी हिस्से को लिथोस्फीयर कहा जाता है। यह ठोस अवस्था में है।

एक ठोस आंतरिक कोर

- भूकंपीय तरंगों के वेग ने पृथ्वी के कोर के अस्तित्व को समझने में मदद की।
- बाहरी कोर तरल अवस्था में है, जबकि आंतरिक कोर ठोस अवस्था में है।
- कोर बहुत भारी सामग्री से बना है जो ज्यादातर निकिल और लोहे से बना है।
- शोधकर्त्ताओं के अनुसार बड़े भूकंपों से भूकंपीय तरंगों के व्यवहार के आधार पर पृथ्वी के गहरे आंतरिक भाग का गहन अध्ययन, हमारे ग्रह के आंतरिक कोर के अंदर एक अलग संरचना के अस्तित्व की पुष्टि करता है जो लगभग 800 मील (1,350 किमी) चौड़ा है।

महत्व:

- पृथ्वी का आंतरिक कोर (IC), जो पृथ्वी के आयतन का 1% से भी कम है, हमारे ग्रह के इतिहास का एक समय कैप्सूल है।
- जैसे-जैसे IC बढ़ती है, जमने की प्रक्रिया द्वारा जारी गुप्त ऊष्मा और प्रकाश तत्व तरल बाहरी कोर के संवहन को चलाते हैं, जो बदले में, जियोडायनेमो को बनाए रखता है।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669